स्वदेशी अपनाएं, देश में बनी चीजें ही खरीदें

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एसआईआरटी कॉलेज में किया आह्वान

भोपाल, 10 अक्टूबर. केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल स्थित सागर इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज (एसआईआरटी) में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि, हमारे देश में कुछ हो या ना हो लेकिन पांचों साल, 12 महीने चुनाव की तैयारियां जरूर चलती रहती है.

हमेशा होने वाले चुनाव हमारे देश की प्रगति और विकास में सबसे बड़ी बाधा है. इससे धन का अपव्यय होता है, समय खराब होता है और सभी राजनैतिक दल जनता की सेवा की जगह चुनाव की तैयारियों में जुटे रहते हैं. इसलिए संविधान में संशोधन करके लोकसभा और विधानसभा के चुनाव पांच साल में एक बार, एक साथ होने चाहिए.

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने छात्र-छात्राओं से कहा कि, आज मैं किसी मंत्री के रूप में भी नहीं आया हूं, आज मैं, तुम्हारे मामा के रूप में और एक जागरूक नागरिक के रूप में आप सभी के बीच आया हूं. उन्होंने कहा कि, एक जागरूक नागरिक के नाते मैं यह अपील कर रहा हूं कि, देश के विद्यार्थी भी उठें और राजनीतिक दलों से कहें कि, अब ये बार-बार चुनाव नहीं चलेंगे.

> शिवराज सिंह ने अपील की कि, वह आर्थिक आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे आएँ. अगर हमें देश को मजबूत बनाना है, हमारी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना है, तो जो भी चीज़ें हमारे दैनिक जीवन में उपयोग की हैं और जो हमारी ज़रूरतों में आती हैं, जो भारत में बनती हैं, उन्हें हम देश में बनी हुई ही खरीदेंगे. उन्होंने देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का हवाला देते हुए कहा कि, आज उसी भावना के साथ देश के लिए जीने की आवश्यकता है, लेकिन हम अपनी अर्थव्यवस्था और उपभोग के रास्ते से देश को मजबूत करें.

केंद्रीय कृषि मंत्री ने मनाया करवा चौथ

भोपाल. करवा चौथ का पर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी भोपाल स्थित अपने निवास पर पूरे पारंपरिक विधि-विधान के साथ मनाया. इस अवसर पर उन्होंने पूजन-अर्चन कर करवा चौथ की कथा सुनाई और आरती की.

एक नजर में

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सोमित दुबे का सम्मान

भोपाल, 10 अक्टूबर. भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की एनएसएस इकाई द्वारा माई भारत एनएसएस अवार्ड प्राप्त करने वाले सोमित दुबे के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन कॉलेज में किया गया. सोमित को 6 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा माई भारत एनएसएस अवार्ड से सम्मानित किया गया था. बीएसएसएस में स्वयंसेवकों ने फूल बरसाकर तथा करतल ध्वनि बजाकर सोमित का स्वागत किया. इसके पश्चात् एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई, जिसमें उनके एनएसएस के प्रति समर्पण, मेहनत और प्रेरणादायक यात्रा को दर्शाया गया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर जॉन पीजे ने भी सोमित को बधाई दी. कॉलेज प्रबंधन ने सोमित दुबे तथा उनके माता-पिता का सम्मान माला, शॉल और श्रीफल प्रदान कर किया. यह आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ डी.भी. सिंह एवं डॉ नैना सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ.

भोपाल के फंदा ब्लॉक के दो सचिव निलंबित

भोपाल. जिला पंचायत भोपाल के फंदा ब्लॉक की ग्राम पंचायत अगरिया के सचिव हेमसिंह राजपूत एवं ग्राम पंचायत गुराडिया के सचिव निर्भय सिंह को जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. अगरिया के सचिव राजपूत के द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत कपिलधारा, कूप, खेत तालाब निर्माण, वृक्षारोपण कार्य में लापरवाही बरती गई. इधर, ग्राम पंचायत गुराडिया के सचिव निर्भय सिंह के द्वारा शासकीय कार्यों में रुचि नहीं ली जा रही है, वह पंचायत में उपस्थित नहीं रहते हैं जिसके कारण ग्राम पंचायत के शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं. इसके चलते सचिव निर्भय सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया. दोनों सचिवों के खिलाफ विभागीय जांच भी की जाएगी. अगरिया के सचिव हेमसिंह को निलंबन के समय मुख्यालय जनपद पंचायत बैरसिया और गुराडिया के सचिव निर्भय सिंह को मुख्यालय जनपद पंचायत फंदा कार्यालय में उपस्थित रहना होगा.

संतों की आराधना कर चढ़ाए 512 अर्घ्य

भोपाल. श्री विद्याप्रमाण गुरुकुलम् अवधपुरी में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का समापन रविवार को प्रात:कालीन बेला में होने जा रहा है, प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया विगत 4 अक्टूबर से यहां श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रारंभ हुआ था, उसका समापन 12अक्टूबर रविवार को होगा. रविवार को प्रात:6 बजे से अभिषेक एवं शांति धारा नित्यनियम पूजन के पश्चात हवन एवं 9 बजे से रथयात्रा श्री विद्याप्रमाण गुरुकुलम् से मुनिसंघ के सानिध्य में प्रारंभ होगी, जो समन्वय नगर होती हुई वापस विद्याप्रमाण गुरुकुलम् में आएगी. सभी जिन प्रतिमाओं का अभिषेक उपरांत श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान किया जाएगा. जैन ने बताया विधान के सातवें दिवस मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज एवं मुनि श्री संधान सागर महाराज ने पंचपरमेष्ठी- श्रीअरहंतजी, सिद्धजी, आचार्यजी, उपाध्याय जी तथा सर्वसाधुओं की आराधना करते हुये दोपहर 12 बजे तक 512 अर्घ्य चढ़ाये. शनिवार को भगवान के सहस्त्र नामों के साथ 1024 अर्घ्य चढ़ाये जाएंगे.

निरंकारी संत समागम 31 से हरियाणा में

भोपाल. संत निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक संत समागम 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक समालखा (हरियाणा) स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित होने जा रहा है. यह दिव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के सान्निध्य में संपन्न होगा. इस उत्सव की तैयारियाँ की जा रही हैं.

विधायक सबनानी ने किया भूमिपूजन

भोपाल, 10 अक्टूबर. दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 26 के बिशनखेड़ी में भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने शुक्रवार को सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया.

वार्ड 26 के अंतर्गत बिशन खेड़ी के आंतरिक मार्गो एवं नाली निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 25 लाख की लागत से निर्माण कार्य होना है. अपने संबोधन में विधायक सबनानी ने कहा कि वार्ड 26 में अब तक लगभग 26 करोड़ के विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन हो चुका है, और कई निर्माण कार्य चल रहे हैं. क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों के लिए कार्य योजना बनाई जा रही है, कई बड़ी योजनाओं का कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा.

दीपोत्सव मेला बना लोककला का जीवंत प्रतीक

गौहर महल में आयोजित मेले में आए विभिन्न जिलों के कारीगर

भोपाल, 10 अक्टूबर. नवप्रकाश और उमंग के पर्व दीपावली से पहले शहर का गौहर महल इन दिनों रंग, रोशनी और रचनात्मकता से जगमगा उठा है. मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा आयोजित दीपोत्सव मेला खरीददारी के साथ लोककला, परंपरा और सृजनशीलता का एक जीवंत प्रतीक भी बन गया है.

हर वर्ष की तरह इस बार भी मेले में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए कारीगरों और बुनकरों ने अपनी कला और हुनर से मेले में आने वाले लोगों का मनमोह लिया है. इस वर्ष विशेष रूप से पारंपरिक हस्तशिल्प के साथ-साथ नई सोच और आधुनिक डिजाइन का सुंदर समन्वय भी दिखाई दे रहा है. मेले के स्टॉलों पर सजे डेकोरेटिव दीयों की चमक लोगों को आकर्षित कर रही है. मिट्टी, धातु और टेराकोटा से बने दीयों को कलाकारों ने आधुनिकता का स्वरूप दिया. पारंपरिक गोल दीयों के साथ कमल आकार, मंदिर झरोखा और गणेश आकृति वाले दीप विशेष ध्यान आकर्षित कर रहे हैं. दीपावली की सजावट को नया रूप देने के लिए कलाकारों ने रंग-बिरंगे पैटर्न, पेंटेड थीम और ग्लास आर्ट के साथ दीयों को तैयार किया है, जो परंपरा और आधुनिकता के बीच एक सुंदर संगम है.

कोरियर कंपनियों को टक्कर देगी भारतीय डाक सेवा

प्रेस वार्ता....डिजिटल तकनीक से डाक सेवा को बनाया जाएगा स्मार्ट, पारदर्शी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 10 अक्टूबर. प्राइवेट कंपनियों की कोरियर सर्विस को टक्कर देने के लिए भारतीय डाक विभाग ने तैयारी तेज कर दी है. भारतीय डाक में नई तकनीक एपीटी 2.0 के माध्यम से स्मार्ट, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है.

साथ ही इसमें क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान, ओटीपी आधारित डिलीवरी, और बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी सुविधाएँ शामिल की गई हैं. यह जानकारी शुक्रवार शाम को आयोजित प्रेस वार्ता में पोस्टमास्टर जनरल विनीत माथुर, निदेशक मुख्यालय परिक्षेत्र पवन कुमार डालमिया व अन्य अधिकारियों ने दी. उन्होंने बताया प्रदेश में डाक सेवाओं को बेहतर गति देने के लिए डाक परिमंडल ने छह से दस अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन भी किया. जिसकी थीम जनता के लिए डाक स्थानीय सेवा वैश्विक पहुंच विषय पर रखी गई. इस दौरान परिमंडल के विभिन्न डाकघरों और कार्यालयों में नागरिकों को डाक सेवाओं की विविधता, विश्वसनीयता और आधुनिकता से परिचित कराने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया.

> डाक अधिकारियों का कहना है कि आज डाक विभाग पारंपरिक सेवाओं के साथ आधुनिक डिजिटल सेवाओं को अपनाकर हर नागरिक तक सुविधा पहुंचा रहा है. प्राइवेट कंपनियां जिन पार्सलों को हजार से अधिक की राशि में पहुंचाती हैं. वहां भारतीय डाक न्यूनतम शुल्क के साथ समाज के हर वर्ग के लिए सहायक है. अब ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों तक डाक विभाग आगे बढ़ा रहा है.

आज 55 इलाकों में होगी बिजली कटौती

भोपाल, 10 अक्टूबर. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शनिवार को मेंटनेंस करेगी, इसके चलते शहर के लगभग 55 इलाकों में कुछ समय बिजली सप्लाई बंद रहेगी.

शनिवार सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक चिंतामण रोड, चौक बाजार, परस्पर कॉलोनी, स्टे्लिंग ग्रीन व्यू-1, अमलतास-1, न्यू फ्रेंड्स सोसाइटी, संत एन्क्लेव फेस-1 और 2, अम्राकुंज, चूनाभट्टी, चाणक्यपुरी कॉलोनी, वर्धमान परिसर सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक फॉरच्यून कस्तूरी, सागर हाइट्स, दीपक सोसाइटी, अक्षत होम्स, निखिल बंगलो, निरुपम रॉयल, शहस्त्रबाहु नगर, कोरलवुड, एपी एन्क्लेव. सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक ट्रांसपोर्ट नगर, राधापुरम, कृष्णापुरम, शिवालय परिसर, अनुजा विलेज, ओप्टेल कुंज एवं आसपास के क्षेत्र. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक न्यू सुभाष नगर, पंजाबी बाग, गुरुनानकपुरा, अर्जुन नगर, अशोक नगर, चंबल कॉलोनी, शालिमार कॉम्पलेक्स, अशोका एन्क्लेव, बाग दिलकुशा, बाग फरहत अफजा, ऐशबाग, जनता क्वार्टर, पुल बोगदा. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक गोलघर, परी बाजार, बेनजीर ग्राउंड में बिजली सप्लाई बंद रहेगी.

नाटक से पेश की संवेदनहीन समाज की तस्वीर

- लिटिल बैलेट ट्रुप में नाटक का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 10 अक्टूबर. लिटिल बैलेट ट्रुप के रंगमंच पर प्रस्तुत नाटक ऐसे रहो कि धरती ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया. शुक्रवार नाटक की प्रस्तुति केवल एक कहानी नहीं बल्कि समाज में व्याप्त संवेदनहीनता और भय का आईना साबित हुई.

मंचन के दौरान दर्शक पूरी तरह से कहानी में डूबे रहे.आनंद मिश्र के निर्देशन में तैयार यह नाटक तनाव और यथार्थ से भरा हुआ था. जिसने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा. नाटक की प्रेरणा महान कवि त्रिलोचन की कविता से ली गई. कहा जाता है कि जब कवि भारत भवन आए थे तब उन्होंने वागर्थ की दीवार पर स्वयं यह पंक्तियाँ लिखी थीं निर्देशक आनंद मिश्र ने इन्हीं पंक्तियों से प्रेरणा लेकर नाटक का शीर्षक और मूल विचार तैयार किया. मिश्र का कहना है कि यह नाटक मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि सोचने पर मजबूर करने के लिए रचा गया है.

निर्देशक आनंद मिश्र ने बताया कि यह नाटक हमारे आसपास की घटनाओं से जुड़ा है. अभ्यास के दौरान कलाकारों ने धीरे धीरे अपने किरदारों को गहराई से समझा और मंच पर उन्हें जीवंत बना दिया. कुल बाइस कलाकारों ने इस नाटक में अभिनय किया जिनमें विशाल आचार्य मुकेश गौर शिवम रघुवंशी पंकज पटेल अर्चना कुमार भूमिका ठाकुर आनंदी मिश्र अनंतिका मिश्र पलक रामुसे शिवेंद्र प्रताप सिंह अनुज शर्मा देवांश बघेल अनुज शुक्ला रचित शुभेंदु धनुर्धर पुरुषोत्तम कौशिक प्रभाकर द्विवेदी मनीष रामदास और हेमराज तिवारी प्रमुख रहे.

माँ
आपकी जीवन
कथा अनादि है
यह कोई अध्याय नहीं हैं,
हमारे जीवन में आपका
कोई पर्याय नहीं हैं।
आपका महत्त्व दुनिया में
कम हो नहीं सकता,
आपके जैसा दुनिया में
कुछ हो नहीं सकता।

तेरहवाँ
पुण्यस्मरण

स्व. श्रीमती आशा रानी अरोरा
(पति - स्वर्गीय श्री मोहनलाल अरोरा)
1934-2012

श्रद्धानवत्
जगदीश-सुनीता अरोरा, अजय-नताशा अरोरा, महेश-मीता बत्रा (पुत्र एवं पुत्रवधू)
दीपक-आयुषी अरोरा, आलोक-याशना अरोरा, रजत-खुशबू बत्रा (पौत्र एवं पौत्र वधू)
सुजाता-गुलशन बग्गा, स्वीना-किशोर अरोरा (पुत्री एवं दामाद)
अरुणा-राजन सरीन, विधि-परिचय मेहरा, पलक-जितिन अरोरा, गरिमा-पुनीत उम्मट (पौत्री एवं दामाद)
अद्विक अरोरा, अरिहान अरोरा (पड़पौत्र), आरायना अरोरा, आराध्या अरोरा, रीत बत्रा (पड़पौत्री)
समस्त अरोरा परिवार एवं सभी सदस्य।

सोम ग्रुप ऑफ कंपनीज़
23, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल-462011. Email: info@somindia.in
deepak

शिक्षा

लाइब्रेरी प्रबंधन ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुहैया कराईं नई किताबें

सेंट्रल लाइब्रेरी में अपने सपने सच करने में जुटे युवा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 10 अक्टूबर. शहर में स्थित मौलाना आजाद सेंट्रल लाइब्रेरी अब सिर्फ किताबों का घर नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को सच करने का ठिकाना बन गई है. हाल ही में जोड़े गए नए संग्रह ने बड़ी संख्या में युवाओं को राहत दी है.

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अब सैकड़ों किताबें पुस्तकालय में उपलब्ध करा दी गई हैं. युवा एमपी पुलिस, सीडीएस, क्लैट, कैट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की नई किताबें एक ही छत के नीचे युवाओं को मिल सकेंगी. पुस्तकालय में 1 लाख से अधिक किताबों का संग्रह मौजूद है. जिसमें दो विशेष सेक्शन हिंदी और अंग्रेजी के बनाये गए हैं. जिसमें 1950 से पहले की लिखी किताबें संरक्षित हैं.

लाइब्रेरी में ये नई पुस्तकें लोक शिक्षण संचालनालय के विशेष बजट से खरीदी गई हैं. यह बजट लगभग 3 लाख का था. जिसमें सैकड़ों किताबें छात्रों की डिमांड के आधार पर उपलब्ध कराई गई हैं.

> मैंने यहां केबिन की सुविधा ले रखी है. काफी कम शुल्क में कई जरूरी सुविधाएँ यहां उपलब्ध हैं. किताबें भी सारी मिल जाती हैं. पढ़ाई के लिहाज से यहां माहौल काफी अच्छा है. **- रितु पौराणिक,** छात्रा

> मैं पीएससी की तैयारी कर रहा हूं. लाइब्रेरी सुबह साढ़े सात से रात 9 बजे तक खुली रहती है, पढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है. यहां ऑनलाइन भी पढ़ सकते हैं. **-मनोज यादव,** छात्र

> करीब 100 से अधिक किताबें उपलब्ध कराई गई हैं. लाइब्रेरी की नई बिल्डिंग भी बन रही है जिसमें करीब 1000 विद्यार्थी बैठ सकेंगे. **- रत्ना वाधवानी** क्षेत्रीय ग्रंथपाल सेन्ट्रल लाइब्रेरी, भोपाल